Speaking at Public Meeting, Saharanpur

February 04, 2017

श्रवण साहू जी बुज़ुर्ग थे और धमकी यह दी कि आप गवाही मत देना, पिता का दिल कैसे थमेगा जब जिसने अपना पुत्र खोया हो | और दो दिन पहले, तीन दिन पहले शाम के 8.30 बजे, जब गल्ले पे बैठे थे साहू जी हत्याकारों ने आके गोलियां भूंद दीं उनके अन्दर | एक परिवार में दो मृत्यु, दो हत्याएं और आज मैं सहारनपुर पहुंचा ही नहीं था तब गुनवर जी ने बताया राजीव अरोरा कहानी | और यहाँ भी उनके परिवार के एक सदस्य हिमांशु का शायद एक ही वर्ष पहले कतल किया गया, मोबाइल का कारोबार करते थे और अब दो दिन पहले, और जिस घोर तरीके से, बहुत ही गन्दी तरीके से राजीव जी की हत्या की गई है | और जब मैं उनके बच्चों को मिला आज, राकेश अरोरा जी के बच्चों को बिचारी ग्यारवी में पड़ती हुई लड़की सिर्फ एक चीज़ कह रही थी कि मेरे पिताजी को इतनी गन्दी तरीके से क्यों मारा कि मैं देख भी नहीं पाई | और दोनों बच्चों को डर लगा हुआ था | और वास्तव में मैं समझ पा रहा हूँ शायद हम दिल्ली में, मैं मुंबई से आता हूँ हम वहां बैठे यहाँ की वास्तु स्थिति समझ नहीं पाते हैं दूर बैठे | कल और आज यह दो दिन में, जिस प्रकार से मेरा मन मच्लित हुआ है, जिस प्रकार से मुझे वास्तविकता देखने को मिली है अब मुझे समझ में आ रहा है कि क्यों व्यापारी समाज, क्यों सामान्य नागरिक उत्तर प्रदेश का भैभीत है | यह भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी यह दोनों चीज़ें वास्तव में एक ही सिक्के के दोनों तरफ हैं, भ्रष्टाचार से गुंडागर्दी पनपती है, गुंडागर्दी भ्रष्टाचार को पनपने देती है | और यह शायद यही वर्तमान सरकार की पहचान है और मैं समझता हूँ इसी के कारण आज शर्मा जी को भी समाजवादी छोडके आना पड़ा |

और व्यापारियों ने क्या गलत किया वह तो एक दो वक़्त की रोटी कमाने के लिए दिन और रात महनत करते हैं, आखिर अरोरा जी भी दूर कसबे में जाके पनीर का व्यापार करते थे दो वक़्त की एक इमानदार रोटी कमाने के लिए | और जिस प्रकार से रामपुर मनिहरण कसबे में सुबह गए शायद शाम को कुछ यह हादसा हुआ होगा, अगले दिन सुबह पता चला | मुझे बताया गया पूरा समाज भैभीत है और इस प्रकार के कातिलाना हमला मेरठ में पाया गया, बुलंदशहर में मिला, आखिर कहाँ कहाँ पे व्यापारी इस चीज़ को सहेगा और कब तक सहेगा | और पता नहीं शहर में अगर यह हो सकता है तो गाँव की स्थिति कैसी होगी, गाँव में कहाँ ..... मिलती है |

और वास्तव में मैं इस घटना की निंदा करता हूँ और मैं आप सबसे दरख्वास्त करूँगा हम अगर एक मिनट के मौन के लिए खड़े हों सब अरोरा जी की श्रद्धांजलि में |

पता नहीं यह है इनका काम, काम बोलता हैना और काम बताता है क्या चल रहा है प्रदेश में | सरेआम इनका काम बोल रहा है और ऐसी परिस्थिति में कई सारे मुद्दों की बात हुई, कई सारे विषय मेरे भी मन में थे लेकिन अरोरा जी के घर जाके उनकी पत्नी, उनकी माताजी, बच्चों को मिलने के बाद वास्तव में समाज नहीं आता है कि मैं क्या बात करूँ, क्या मैं बिजली की बात करूँ, चौबीस घंटे बिजली मिलेगी 2012 में बोला गया था | इलेक्शन के दो महीने पहले थोड़ी बिजली की सप्लाई सुधार दो इससे तो कोई उद्धार नहीं होने वाला है यहाँ के व्यापारी का, यहाँ के उद्योग का, यहाँ के उद्यमी का, यहाँ के विद्यार्थी का | आखिर जबतक ठोस काम सालों साल तक जनता की सेवा में नहीं मिलेगा तब तक यह बनावटी कामों से तो जनता आज के दिन बहकावे में नहीं आती हैं | जब प्रधानमंत्री मोदी जी कहते हैं कि हर महिला के घर में एल.पी.जी. कनेक्शन दिया जाएगा, हर गरीब को मुफ्त में कनेक्शन दिया जाएगा वह कोई उसको एक कोई प्रेशर कुकर या कोई एक छोटी सी चीज़ देके लोभ देने के लिए नहीं दिया जाता है | उनके स्वास्थय की चिंता की जाती है, उनको लकड़ी के ऊपर निर्भर नहीं होना पड़े, उनको धुंवा नहीं भुगतना पड़े |

जब हम कहते हैं कि हम हर एक घर तक बिजली पहुंचाएंगे तो सबसे ज्यादा चिंता उत्तर प्रदेश की होती है | भाइयो बहनों उत्तर प्रदेश एक राज्य ऐसा है पूरे देश में जहाँ अभी भी 1 करोड़ 80 लाख लगभग घर बिना बिजली के हैं, उधर बिजली कनेक्शन है नहीं, 1 करोड़ 80 लाख मतलब कम से कम 4 करोड़ विद्यार्थी होंगे उसके अन्दर, 8-9 करोड़ लोग रहते हैं | क्या इन विद्यार्थियों को कभी सामान्य मौका मिलेगा मुंबई और दिल्ली और बाकी जगाओं के विद्यार्थियों की तरह अच्छी शिक्षा पाने का, बिजली में अच्छी पढाई करने का, अपने कंप्यूटर पे विश्व से जानकारियाँ निकालने का या यह ऐसे ही पीड़ित रहेंगे सालों साल, बरसों बरसों दशकों और पीड़ियों तक | जन प्रधानमंत्री मोदी जी कहते हैं कि हमारी सरकार गरीबों के लिए समर्पित रहेगी, महिलाओं के लिए, युवाओं के लिए, जो समाज में शोषित और वंचित रहे हैं उनके लिए समर्पित रहेगी तब वह धर्म के नाम पे या कोई एक विशेष जाति को सब सुविधाएं मिल जायें उस प्रकार के समाज का निर्माण नहीं देखना चाहते हैं | सबका साथ सबका विकास की जब बात करते हैं तो जो मुरादाबाद में हुआ कि चार घर में बिजली दी, तीन में नहीं फिर दो में दी फिर चार में नहीं दी,

उस प्रकार के समाज की कल्पना यह सरकार नहीं करती है कहीं पर भी | ऐसा नहीं हो सकता है कि आप इस धर्म के हो तो आपके घर में बिजली मिलेगी और आप कोई और धर्म को हों तो आप के घर में बिजली नहीं मिलेगी | ऐसा नहीं हो सकता है कि किसानों पे कितनी भी पीड़ा हो और सहारनपुर में तो विशेषकर पानी की भी कमी रहती है, डार्क जोन कहा गया है तो कुछ अलग तरीके से यहाँ के विकास का सोचना पड़ेगा | क्या ... इरीगेशन को और प्रोत्साहन देना पड़े, उत्तर प्रदेश में कोई पानी की कमी नहीं है, पाइपलाइन से पानी लाया जा सकता है |

मैंने अभी अभी बताया पिछली सभा में, हमने निर्णय लिया है कि हर किसान को जो बाबा आदम के ज़माने के पंप चला रहे हैं, आधे तो किसान इलेक्ट्रीशियन बन गए इन पुम्पों को चला-चलाके | हम एक मुफ्त में, हर किसान को मुफ्त में energy-efficient pump देंगे जिससे बिजली की चोरी भी कम होगी, खपत भी कम होगी, 5 वर्ष तक maintenance भी सुनिश्चित किया जायेगा, उनका उत्पादन बढेगा, उत्पादन बढ़ेगी उनकी आमदनी बढ़ेगी | और वास्तव में जब समाज में गरीब व्यक्ति का चिंता समाज करेगा, जब गरीब व्यक्ति का स्तर सुधरेगा तभी जाके हमारे व्यापारियों भाइयों का भी कारोबार बढेगा, आखिर डिमांड जब आएगी, consumer के हाथ में दो पैसे होंगे तभी जाके कारोबार भी बढेगा | इस बजट में भी व्यापारियों के प्रति विशेष चिंता की गई खासतौर पे छोटे और मध्यम वर्गी व्यापारियों के लिए | इनकम टैक्स के रेट को जो 30-25% किया जिनके टर्नओवर 50 करोड़ तक हैं उसका सीधा लाभ व्यापारियों को मिलेगा उस लाभ से कुछ दो पैसे बचेंगे जिससे वह अपने व्यापार को बढ़ा सकेंगे | उलटे छोटे व्यापारी जो दो करोड़ से कम जिनका टर्नओवर है और जो अब डिजिटल या बैंक के माध्यम से व्यापार करेंगे उनको तो कोई हिसाब किताब रखने की भी ज़रुरत नहीं, कोई अकाउंट को ऑडिट करने की ज़रूरत नहीं | उनकी तो जितनी टर्नओवर होगी उसमें जो डिजिटल टर्नओवर है उसका 6% बाकी का 8%, presumptive income लेके उसपे टैक्स भर दें, कोई सवाल जवाब नहीं | और आज दो करोड़ का टर्नओवर करके व्यक्ति को मात्र 30-40,000 रुपये टैक्स भरना पड़ेगा maximum, ऐसी सुविधा बना दी है, दो करोड़ के टर्नओवर पे |

कुछ लोगों ने मुझे बताया कि व्यापारी चिंतित हैं कि उनको नोटिस आ रहे हैं नोटबंदी के बाद, मैं स्पष्ट कर दूं यह जो आपको SMS आ रहा है यह किसी प्रकार का नोटिस नहीं है, यह नोटिस के रूप में मत लीजिये यह गलत भ्रम फैलाया जा रहा है | यह आपको सुविधा देने के लिए और एक इमानदार आदमी को सम्मान देने के लिए यह SMS दिया जा रहा है, उसमें एक वेबसाइट

का लिंक दिया है आप अपने घर बैठके उस वेबसाइट को खोल सकते हैं उसमें अपना पैन नंबर डाल के जो भी नोटबंदी के समय आपने पैसे डाले उसका ब्यौरा देदो | किसी व्यक्ति ने मुझे अभी बताया कि उनके cash-on-hand था तो वह cash-on-hand डाल दे, उसमें लिख दे cash-on-hand इतने रुपये था, मेरी पत्नी का इतनी बचत थी वह मैंने डाली और यह यह तरीके से मैंने पैसे डाले जिससे इनकम टैक्स डिपार्टमेंट का रिकॉर्ड भी पूरे हो जाएँ और बिना बात का किसी को तंग ना करना पड़े पर आखिर और यह कोई हर एक को नहीं.....

Ends.